RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 124
दि. 03.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस शुभ मंगलवार को अत्यंत आशाजनक पहल की शुरूआत की जा रही है। उन्होंने अपनी घोषणा में कहा कि बिहार में माताओं और बहनों को जीविका निधि साख सहकारी संघ के माध्यम से एक नई सुविधा प्रदान की जा रही है। इस पहल से गांवों में जीविका से जुड़ी महिलाओं को सुगमता से वित्तीय सहायता मिलेगी, जो उनके काम और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायक होगी। श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीविका निधि प्रणाली पूरी तरह डिजिटल है, जिससे संबंधित काम के लिए जाने की आवश्यकता नहीं होगी

और सब कुछ मोबाइल फोन के माध्यम से ही किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने जीविका निधि साख सहकारी संघ के शुभारंभ पर बिहार की माताओं और बहनों को बधाई देते हुए इस उल्लेखनीय पहल के लिए श्री नीतीश कुमार और बिहार सरकार की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि सशक्त महिलाएं विकसित भारत का प्रमुख आधार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनके जीवन की कठिनाइयां कम करना आवश्यक है।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के जीवन को सुगम बनाने हेतु कई पहल कर रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि खुले में शौच बाध्यता से मुक्ति के लिए महिलाओं के लिए करोड़ों शौचालयों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों पक्के घर बनाए गए हैं, और जिसमें विशेष ध्यान रखा गया है कि ये घर महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हों। उन्होंने कहा कि जब एक महिला गृहस्वामिनी बनती है, तो उसकी बातों की अहमियत भी बढ़ जाती है।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी, जानें- क्या होंगे फायदे

लखनऊ (जीएनएस)। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा।

इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

क्यों जरूरी था निगम का गठन

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से

बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा और आरक्षण का प्रावधान

वित्त मंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था में संवैधानिक प्रावधानों के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव का भी अधिकार दिया जाएगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे।

बैठक में कुल 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई

मंत्री एके शर्मा के प्रस्ताव नगरीय परिवहन की सुविधा के लिए प्राइवेट ऑपरेटर को ई-चार्जिंग सहित नेट कॉस्ट बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है।

कानपुर और लखनऊ के 10 दस रूटों पर ई-बसें चलेंगी। एक बस की कीमत 10 करोड़ होगी। ये बसें 12 वर्ष के लिए कॉन्ट्रैक्ट के साथ आएंगी। किराया तय करने का अधिकार सरकार के पास रहेगा। लखनऊ और कानपुर के सभी रूट फाइनल हो गए हैं। हर रूट पर अभी एक बस दी जाएगी। टेंडर से ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। सरकार उसे लाइसेंस देगी। चार्जिंग की व्यवस्था भी करेगी।

ऐसी होगी नई व्यवस्था

▪अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी तय करेगा।

▪कर्मचारियों का मानदेय 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया है।

▪आउटसोर्स कर्मचारियों से महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी।

▪कर्मचारी तीन वर्षों के लिए अपनी सेवाएं दे सकेंगे

▪कर्मचारियों का वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे उनके खातों में जाएगा।

▪ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान अब सीधे कर्मचारियों के खाते में जाएगा, पहले यह राशि सर्विस प्रोवाइडर के पास चली जाती थी।

▪किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सेवा तुरंत समाप्त की जा सकेगी।

▪आउटसोर्सिंग के लिए चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का प्रावधान किया गया है। इससे बेहतर गुणवत्ता वाले और योग्य कार्मिकों की नियुक्ति सुनिश्चित होगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, अखिल भारतीय वाणी और श्रवण संस्थान, मैसूर के हीरक जयंती समारोह में शामिल हुईं

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कल कर्नाटक के मैसूर स्थित अखिल भारतीय वाणी और श्रवण संस्थान के हीरक जयंती समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैया, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री श्री दिनेश गुंडू राव और मैसूर के सांसद श्री यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा और वाणी और श्रवण अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इस प्रतिष्ठित संस्थान के हीरक जयंती समारोह में शामिल होते हुए उन्हें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर संचार विकारों के निदान और उपचार में बहुमूल्य योगदान के लिए इस संस्थान से जुड़े सभी पूर्व और वर्तमान निदेशकों, संकाय सदस्यों, प्रशासकों और छात्रों को हार्दिक बधाई दी।

वर्ष 1965 में स्थापित, एआईआईएसएच भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है। यह संचार विकारों के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास, नैदानिक सेवाओं, प्रशिक्षण, अनुसंधान, जन शिक्षा और विस्तार सेवाओं के लिए दक्षिण एशिया में एक प्रमुख संस्थान है। एआईआईएसएच की स्थापना संचार विकारों की देखभाल और पुनर्वास प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान न केवल डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप पाठ्यक्रम प्रदान करता है, बल्कि वाणी और श्रवण विकारों की देखभाल और उपचार भी प्रदान करता है, साथ ही पुनर्वास के माध्यम से रोगियों और उनके परिवारों को सहायता भी प्रदान करता है।

सीसीआई ने सह्याद्री हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड में मणिपाल हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 100% तक हिस्सेदारी को मंजूरी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने सह्याद्री हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड में मणिपाल हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 100% तक हिस्सेदारी के अधिग्रहण से संबंधित प्रस्तावित संयोजन को मंजूरी दे दी है।

मणिपाल हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (एमएचईपीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एमएचईपीएल, अधिग्रहणकर्ता (अपने सहयोगियों सहित) के साथ मिलकर भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं और ब्रांड नाम 'मणिपाल हॉस्पिटल्स' के तहत मल्टी-स्पेशलिटी देखभाल प्रदान करने वाले अस्पतालों का एक नेटवर्क संचालित कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय योग्यता पुरस्कार समारोह वर्ष 2025

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के स्वायत्त निकाय डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन ने आज नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय मेधावी पुरस्कार समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह समारोह अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उन मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने कक्षा 10वीं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

कपास खरीद में न्यूनतम समर्थन मूल्य सुव्यवस्थित करने हेतु भारतीय कपास निगम के ऐप का शुभारंभ

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत किसानों से कपास की निर्बाध खरीद सुविधाजनक बनाने के लिए, वस्त्र मंत्रालय के भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा विकसित नए मोबाइल एप्लिकेशन, कपास किसान ऐप का आज शुभारंभ किया। नया मोबाइल ऐप किसानों को स्व-पंजीकरण, स्लॉट बुकिंग और भुगतान स्थिति जानने में सहायक है। यह ऐप किसानों को भुगतान के बारे में जानकारी प्रदान करेगा - जिससे कपास खरीद प्रक्रिया में अधिक तेजी, पारदर्शिता और सुगमता आएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की

संसदीय क्षेत्र के किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की

आगामी खेल महोत्सव की तैयारियों को लेकर केंद्रीय मंत्री ने पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रविन्द्र भवन, भोपाल में अपने संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही क्षेत्र के किसान कल्याण के कार्यों, ग्रामीण विकास और अन्य विभिन्न कार्यों समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आगामी खेल महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों और प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। श्री शिवराज सिंह ने पदाधिकारियों से कहा कि, खेल महोत्सव केवल खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और युवा ऊर्जा के प्रदर्शन का

बड़ा मंच है। उन्होंने आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी को जिम्मेदारी के साथ योगदान देने का आह्वान किया। बैठक में क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए।

बीमारों का इलाज हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता या क्षेत्र का कोई भी नागरिक बीमार होता है तो उसका समुचित इलाज करवाना हमारा परम कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने स्वेच्छा अनुदान के माध्यम से अनेक जरूरतमंदों की मदद की। उन्होंने कहा कि आज भी यदि किसी को गंभीर बीमारी होती है और आर्थिक सामर्थ्य नहीं है, तो वे व्यक्तिगत प्रयासों से संसाधन जुटाकर इलाज की व्यवस्था कराने का प्रयास करते हैं। जरूरत पड़ी तो हर संभव प्रयास करके इलाज कराया जाएगा। साथ ही श्री शिवराज सिंह ने

अपने संसदीय क्षेत्र स्थित सुकरवास गांव का एक वाकया सुनाते हुए कहा कि गांव का एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था और बहुत गरीब परिवार का था।

पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया पहुंचा

यह दौरा दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में लंबी दूरी तक प्रशिक्षण हेतु तैनाती का हिस्सा

(जीएनएस)।

युवाओं को प्रशिक्षित करते हुए, 'मैत्री सेतु' का निर्माण करते हुए, भारतीय नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस) के जहाज 01 सितंबर 2025 को पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स पहुंचे। इनमें आईएनएस तीर, आईएनएस शार्दुल और सीजीएस सारथी शामिल हैं। 1टीएस वर्तमान में दक्षिण पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में लंबी दूरी तक प्रशिक्षण हेतु पर है।

बंदरगाह पर आगमन होने पर सेशेल्स रक्षा बल (एसडीएफ) बैंड द्वारा भव्य स्वागत किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच मजबूत समुद्री संबंधों पर जोर दिया।

भारत और थाईलैंड के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री-IV मेघालय में प्रारंभ हुआ

(जीएनएस)।

भारत और थाईलैंड के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री-IV का 14वां संस्करण आज से मेघालय के उमरोई स्थित जॉइंट ट्रेनिंग नोड (जेटीएन) में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ हुआ। इस अभ्यास का आयोजन 1 से 14 सितंबर, 2025 तक किया जा रहा है। यह द्विपक्षीय अभ्यास दोनों देशों के बीच चल रहे सैन्य आदान-प्रदान कार्यक्रमों का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारतीय सेना और रॉयल थाई सेना के बीच सहयोग, संयुक्त सहभागिता और आपसी समझ को विस्तार देना है। इससे पहले इस अभ्यास का 13वां संस्करण थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्राकन में आयोजित किया गया।

भारतीय सेना की टुकड़ी में 120 सैन्य कर्मी शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है। वहीं, रॉयल थाई आर्मी की 53 कर्मियों वाली टुकड़ी

का प्रतिनिधित्व प्रथम इन्फैंट्री बटालियन, 14वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड द्वारा किया जा रहा है।

दोनों देशों के बीच होने वाला यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय शक्क के अंतर्गत अर्ध-शहरी इलाकों में कंपनी स्तर के आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित होगा। दो सप्ताह के इस आयोजन में सामरिक अभ्यास, संयुक्त कार्य योजना, विशेष हथियार कौशल, शारीरिक क्षमता निर्माण और छापामार कार्रवाई शामिल हैं। यह अभ्यास 48 घंटे के प्रमाणीकरण अभ्यास के साथ समाप्त होगा, जिसमें यथार्थवादी परिचालन परिदृश्यों का अनुकरण किया जाएगा।

अभ्यास मैत्री भारत व थाईलैंड के बीच वर्ष 2006 में शुरू किया गया था और यह महत्वपूर्ण संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यासों में से एक है। वर्तमान संस्करण द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को पहले से अधिक सशक्त करता है और यह क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं सुरक्षा के प्रति दोनों सेनाओं की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग कल प्राथमिक विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों को एक ही परिसर में स्थापित किए जाने को लेकर दिशानिर्देश जारी करेंगे

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी), शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल) के सहयोग से कल (बुधवार, 3 सितंबर, 2025) नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को एक ही परिसर में स्थापित किए जाने को लेकर पर दिशानिर्देश जारी करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के दोनों विभागों के प्रतिनिधि और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे।

सम्पादकीय

अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक और कदम

केंद्रिय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि हाल ही में लागू किए गए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम : 2025 के तहत प्रत्येक राज्य सरकार और वेंद्र शासित प्रदेश प्रशासन विदेशियों के आवागमन को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से समर्पित निरुद्ध वेंद्र या हिरासत शिविर स्थापित करेगा, जब तक कि उन्हें निर्वासित कर नहीं दिया जाता। लगे हाथ गृह मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया कि विदेशियों पर यदि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, आतंकी गतिविधियों बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने का आरोप सिद्ध होता है तो उन्हें भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति देने से मना किया जा सकता है। इसके साथ ही गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस आधिकारिक आदेश में यह भी कहा गया है कि कोई भी विरोधी जिसके पास भारत में रोजगार के लिए वैध वीजा हो, बिना नागरिक प्रधिकरण की अनुमति के बिजली या जल आपूर्ति से जुड़े निजी क्षेत्र के उपव्रमों या पेट्रोलियम क्षेत्र में कार्यरत किसी संस्था में रोजगार स्वीकार नहीं कर सकता। गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस आदेश में यह भी कहा गया है कि मादक पदार्थो और मनः प्रभावी पदार्थो की तस्करी, बाल तस्करी सहित मानव तस्करी, नकली यात्रा दस्तावेजों व्रिप्टोकरेंसी सहित मुद्रा में धोखाधड़ी, साइबर अपराध, बाल दुर्व्यवहार या ऐसे अपराधों में संलिप्त पाया जाना, वित्त शोधन अथवा हवाला संबंधी आर्थिक अपराधों में पकड़े जाने वाले विदेशियों के लिए भारत का दरवाजा बंद अपराधों का जिस तरह वगाकरण करके विदेशियों को जिस तरह देश से बाहर करने के लिए स्पष्ट आदेश जारी किया गया है, वह निाित रूप से इस बात का परिचायक है कि व्रइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों से वेंद्र सरकार और राज्य सरकारों का सतर्व होना स्वाभाविक है।

दरअसल संगठित अपराध के ठेकेदारों के लिए अवैध घुसपैठिए सहजतापूर्वक प्रप्त मानव संसाधन होते हैं। इसलिए अपराध के विभिन्न क्षेत्रों में ये विदेशी नागरिक सव्रिय रहते हैं। दुःखद एवं हैरानी की बात तो यह है कि इन अवैध विदेशी घुसपैठियों को वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड और पैन कार्ड देकर सुरक्षित करने की कोशिश की जाती है।

मजे की बात तो यह है कि जब ये शातिर अपराधी किसी राजनीतिक पाटा का झंडा उठा लेते हैं तो इनकी सुरक्षा में पूरी पाटा खड़ी हो जाती है। सच तो यह है कि इन अपराधियों के खिलाफ यदि पुलिस, जांच एजेंसियां अथवा खुफिया तंत्र कोई कार्रवाई करती है तो राजनीतिक दल संबंधित एजेंसियों को लोकतंत्र का हत्यारा साबित करने में जुट जाती हैं।

बहरहाल यह तो सच है कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ देश में कानून पहले से ही है और उसके सन्नियम प्रभावी भी हैं किन्तु दुर्भाग्य यह है उनका उपयोग करने वाली एजेंसियां या तो सही तरीके से सतर्वतापूर्वक कार्रवाई करती नहीं या उन्हें करने ही नहीं दिया जाता।

नागरिकता कानून के तहत वेंद्रीय कानून प्रभारी है, जो जरूरतमंद विदेशी नागरिकों को भारत की नागरिकता देने के लिए पर्याप्त है किन्तु अपराधी प्रवृत्ति के घुसपैठिए कानूनी तरीके से नागरिकता चाहते ही नहीं।

लब्बोलुआब यह है कि यदि वेंद्रीय एवं राज्य सरकार की एजेंसियां मिल कर अवैध घुसपैठियों को पकड़ना तेज कर दें तो इनका आतंक कम हो सकता है। किन्तु सच यह भी है कि इन घुसपैठियों की मदद लेने वाले ऐसे लोग हैं जिनकी राज्य सरकारों पर मजबूत पकड़ है। ये खुद अपने आप अपने अपराध की दुकान नहीं चलाते बल्कि ये हथियार के रूप में इस्तेमाल होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि पहले उन लोगों पर कार्रवाई हो जो इन घुसपैठियों से तमाम तरीके से अपराध करवाते हैं।

'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम : जनता और शासन के बीच सेतु को और अधिक मजबूत कर रही है गुजरात सरकार

'स्वागत' कार्यक्रम के जरिए महुवा के भरतभाई की वर्षों पुरानी भूमि स्वामित्व की समस्या हल हुई

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गत 4 वर्षों में 'स्वागत' के माध्यम से 2,39,934 शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान

गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2003 में शुरू किया था स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम

गांधीनगर, 02 सितंबर : गुजरात सरकार पिछले दो दशकों में जनता और शासन के बीच सेतु को और अधिक मजबूत बनाने की विभिन्न पहलों को लागू करने में अग्रणी रही है। सुशासन को प्रोत्साहित करने वाली ऐसी ही एक पहल है– 'स्वागत' यानी स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी। वर्ष 2003 में जब दुनिया डिजिटल क्रांति के लिए तैयार हो रही थी, तब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और देश के मौजूदा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आम जनता और प्रशासन के बीच की दूरी को पाटने के लिए टेक्नोलॉजी में निहित क्षमता को पहचाना और इस तरह उन्होंने 'स्वागत' कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के आम नागरिक अपनी शिकायतों और समस्याओं को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि 'स्वागत' कार्यक्रम शुरू होने के बाद से अब तक राज्य, जिला, तहसील और ग्रामीण स्तर पर नागरिकों की ओर से कुल 15,84,535 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 15,79,002 शिकायतों का सफलतापूर्वक निपटारा किया जा चुका है।

'स्वागत' : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गत 4 वर्षों में 2,39,934 शिकायतों का हुआ समाधान

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल आज सफलतापूर्वक 'स्वागत' कार्यक्रम की कमान संभाल रहे हैं। उनके मजबूत नेतृत्व में 'स्वागत' कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। यह कार्यक्रम हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित किया जाता है, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं जनता की शिकायतों को सुनते हैं और उसकी समीक्षा कर उनका समाधान करते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में पिछले 4 वर्षों में कुल 2,39,934 शिकायतों और समस्याओं का निवारण किया गया है।

भावनगर जिले के महुवा शहर निवासी भरतभाई काबाभाई खोडीफाड की समस्या यह थी कि उन्हें अपने ही भूखंड का आधिकारिक तौर पर स्वामित्व नहीं मिला था। महुवा नगर पालिका ने गरीब लोगों को भूखंड आवंटित करने के लिए भरतभाई के दादा की 9 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी। इस भूमि में से उन्हें जो रिहायशी भूखंड मिलना था, उसका कब्जा नगर पालिका ने उन्हें नहीं सौंपा था। नगर पालिका ने उन्हें इस भूमि को रिहायशी उद्देश्य के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव वर्ष 1967 में किया था। हालांकि, उनके पूर्वजों की अनभिज्ञता के कारण इस भूमि पर बने मकान का दस्तावेज नहीं बन पाया था। उन्होंने जब दस्तावेज तैयार करने के लिए नगर पालिका से अनुमति मांगी, तो उन्हें फिर से विभाग से स्वीकृति लेने को कहा गया। इसके बाद भरतभाई ने मकान को अपने नाम पर कराने के लिए तहसील और जिला 'स्वागत' में गुहार लगाई, जहां हल नहीं निकलने पर अंततः उन्होंने राज्य स्तरीय 'स्वागत' में शिकायत की।

भरतभाई कहते हैं, ह्लमुख्यमंत्री ने मित्रवत भाव से मेरी शिकायत सुनी और उन्होंने इस मुद्दे को लेकर संबंधित अधिकारियों को भूमि का दस्तावेज तैयार करने के निर्देश दिए। इस प्रकार, मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के कारण मेरे वर्षों पुराने मुद्दे का समाधान हुआ और मेरे बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए जिस ऋण की आवश्यकता थी, उसकी प्रक्रिया हम शुरू कर सके।ह्व

कैसे काम करता है स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम

उल्लेखनीय है कि स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य 'स्वागत', जिला 'स्वागत', तहसील 'स्वागत' और ग्राम 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री स्वयं जनता की गुहार सुनते हैं। जिला स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में नागरिकों की शिकायतें जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की जाती हैं। वहीं, तहसील 'स्वागत' कार्यक्रम में नागरिक प्रांत अधिकारी और उनके समकक्ष प्रथम श्रेणी के अधिकारी के समक्ष अपनी शिकायतें रखते हैं। ग्राम 'स्वागत' कार्यक्रम के तहत नागरिकों को हर महीने की 1 से 10 तारीख के दौरान अपने आवेदन पटवारी या मंत्री को देने होते हैं। इन आवेदनों को बाद में तहसील 'स्वागत' में शामिल किया जाता है और उसके बाद उनका निपटारा किया जाता है।

इसके अलावा, राज्य के नागरिक अपनी शिकायतें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर या डाक के माध्यम से भी मान. मुख्यमंत्री के कार्यालय को भेज सकते हैं। इन आवेदनों को संबंधित विभाग के अधिकारियों और संबंधित जिले को भेजा जाता है और लोगों की समस्याओं के संदर्भ में उचित कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही, वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री कार्यालय ने ऑनलाइन शिकायत पोर्टल– 'डब्ल्यूटीसी' (राइट टू सीएमओ–सीएमओ को लिखें) भी शुरू किया है। इसके अंतर्गत नागरिक अपनी शिकायतें इस पोर्टल के जरिए सीधे मुख्यमंत्री के कार्यालय को भेज सकते हैं। गुजरात सरकार राज्य के नागरिकों की समस्याओं को दूर कर उनके लिए 'ईज ऑफ लिविंग' यानी जीवन जीने की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

31 अगस्त, 2025 तक 95,658 लोग वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम देखने पहुंचे

मेहसाणा में 9 और 10 अक्टूबर को आयोजित होने वाली 'वीजीआरसी' के दौरान आकर्षण का केंद्र बनेगा वडनगर पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजिम

उत्तर गुजरात की वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में झलकेगी भारत की समृद्ध पुरातात्विक और सांस्कृतिक विरासत

गांधीनगर, (जीएनएस)। 2500 से अधिक वर्षों से निरंतर जीवंत वडनगर शहर सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का अनमोल खजाना है। इस ऐतिहासिक शहर की समृद्ध विरासत के संरक्षण के लिए आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम–पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय का निर्माण किया गया है।

इस संग्रहालय का उद्घाटन 16 जनवरी, 2025 को किया गया था और इसे 1 फरवरी से आगंतुकों के लिए खोल दिया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुसार, वडनगर पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय को देखने के लिए 31 अगस्त, 2025 तक पूरे भारत से कुल 95,658 लोग पहुंच चुके हैं।

आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम को देखने के लिए पहुंचे आगंतुकों का यह आंकड़ा सांस्कृतिक पर्यटन के लिए एक दृष्टांत है। इन आगंतुकों में बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग व्यक्ति भी शामिल हैं, जो दशार्ता है कि म्यूजियम हरेक व्यक्ति के लिए सुलभ है। इतना ही नहीं, यह स्थान शैक्षणिक उद्देश्य के लिए भी लोकप्रिय बनता जा रहा है।

वडनगर की 2500 वर्ष पुरानी विरासत का प्रतिबिंब है यह म्यूजियम

यह म्यूजियम व्यापक खुदाई के दौरान मिली कलाकृतियों के माध्यम से वडनगर की 2500 वर्ष से अधिक पुरानी विरासत का प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। 13,525 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस म्यूजियम में कला, स्थापत्य, व्यापार, शहरी नियोजन और भाषा आदि को प्रदर्शित करने वाली 9 थीमैटिक गैलरियां हैं। 4000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले उत्खनन स्थल पर पुरातात्विक अवशेषों को 16 से 18 मीटर की गहराई पर देखा जा सकता है। आगंतुकों को वडनगर के पुरातात्विक उत्खनन से मिले अवशेषों का अनुभव प्रदान करने के लिए एक स्थायी शेड बनाया गया है और अन्य पर्यटन सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

इस म्यूजियम में मिट्टी के बर्तन, शंख निर्माण, सिक्के, आभूषण, हथियार एवं औजार, शिल्प, खेल सामग्री तथा खाद्यान्न एवं कंकाल के अवशेषों जैसी जैविक सामग्री सहित 5000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। ऑडियो–विजुअल फिल्मों और प्रदर्शनियों के आकर्षण वाला यह आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों के लिए एक विशेष सौगात है।

वीजीआरसी में आकर्षण का केंद्र बनेगा वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम

उल्लेखनीय है कि आगामी 9 और 10 अक्टूबर, 2025 को मेहसाणा में उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का आयोजन होने जा रहा है। इस क्षेत्रीय सम्मेलन में वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंस म्यूजियम आकर्षण का केंद्र बनेगा, जो क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को उजागर करेगा। जब वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में भारत की समृद्ध पुरातात्विक और सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित होगी, तब गुजरात पर्यटन के सराहनीय कार्य भी लोगों का ध्यान आकर्षित करेंगे।

1,546 एनसीसी कैडेट दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में बारह दिनों के थल सैनिक शिविर में भाग लेने के लिए तैयार

(जीएनएस)।

देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 17 राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालयों से 867 लड़के और 679 लड़कियों सहित कुल 1,546 कैडेट दिल्ली कैंट के करियप्पा परेड ग्राउंड में बारह दिवसीय थल सैनिक शिविर में भाग लेंगे। अपर महानिदेशक (ए) एयर वाइस मार्शल पीवीएस नारायण 02 सितंबर, 2025 को इसका उद्घाटन करेंगे। शिविर में भाग लेने वाले कैडेट विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेंगे, जिनमें अवरोध प्रशिक्षण, मानचित्र पठन और अन्य संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। इस पहल से उन्हें समृद्ध अनुभव प्राप्त होगा, जिसमें शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक तीक्ष्णता और टीम वर्क पर जोर दिया जाएगा।

थल सैनिक शिविर का उद्देश्य कैडेटों को सेना प्रशिक्षण के प्रमुख पहलुओं से अवगत कराना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना और अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह शिविर सेना विंग के कैडेटों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया है, जो राष्ट्रीय स्तर के शिविर के रूप में व्यापक प्रशिक्षण एवं चरित्र विकास पर केंद्रित है।

अपर महानिदेशक ने एनसीसी द्वारा देश के युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अनूठे अवसरों का उल्लेख किया, जो उनके रोमांच, अनुशासन और सम्मान से भरा जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि एनसीसी सभी कैडेटों में नेतृत्व व सौहार्द की भावना उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उन्हें जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार करती है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने 16 से 31 अगस्त 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया

(जीएनएस)।

भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 16 से 31 अगस्त 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा सफलतापूर्वक मनाया। यह मिशन पूरे देश में सफाई, स्वच्छता और स्थिरता को प्रोत्साहन देता है। दो सप्ताह का यह अभियान भारत सरकार द्वारा जारी स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के कैलेंडर के अनुसार चलाया गया। इस गतिविधि ने स्वच्छता को एक साझा कर्तव्य बनाने और एक स्थायी कार्य वातावरण बनाने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दशार्या।

इस आयोजन की शुरूआत 18 अगस्त 2025 को भारी उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता पर शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। भारी उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी ने मंत्रालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को शपथ दिलाई।

भारी उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को 'स्वच्छता शपथ' दिलाते हुए।

पूरे पखवाड़े के दौरान, मंत्रालय परिसर में स्वच्छता और स्थिरता को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें शामिल हैं:

उद्योग भवन के सभी कमरों, सीढ़ियों, गलियारों और सार्वजनिक क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान।

कार्यस्थलों को खाली करने के लिए अनुपयोगी फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य अप्रचलित वस्तुओं को हटाना।

एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान।

'स्वच्छ भारत अभियान' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

मंत्रालय के गलियारों में स्वच्छता बनाए रखना।

29 अगस्त, 2025 को स्वच्छता पखवाड़ा के एक भाग के रूप में उद्योग भवन परिसर के अंदर स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव, श्री विजय मित्तल ने मंत्रालय के परिसर को स्वच्छ रखने में उनकी अटूट सेवा और उत्कृष्ट प्रतिबद्धता के सम्मान में मंत्रालय के कर्मचारियों को उपहार वस्तुएं भेंट करके सम्मानित किया।

भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव, श्री विजय मित्तल, मंत्रालय के एक कार्यकर्ता को सम्मानित करते हुए

स्वच्छता पखवाड़ा (16–31 अगस्त, 2025) के अंतर्गत, भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी इकाइयों में कई पहल कीं। 18 अगस्त, 2025 को बीएचईएल की रानीपेट, तिरुचिरापल्ली, हैदराबाद, भोपाल और दिल्ली इकाइयों में कार्यकारी निदेशकों द्वारा जागरूकता बैनर प्रदर्शित किए गए और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए।

हैदराबाद और भोपाल में सड़कों की सफाई के साथ–साथ, तिरुचिरापल्ली स्थित डीटीजी परिसर और रानीपेट स्थित स्टोर सहित विभिन्न केंद्रों में सफाई अभियान चलाए गए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया

वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी: भारत में डिजाइन, भारत में निर्मित, दुनिया द्वारा विश्वसनीय: प्रधानमंत्री

चिप डिजिटल हीरे हैं: प्रधानमंत्री

कागजी कार्रवाई जितनी कम होगी, वेफर का कार्य उतनी ही शीघ्रता से शुरू हो सकता है: प्रधानमंत्री

भारत की सबसे छोटी चिप बहुत जल्द दुनिया को सबसे बड़े बदलाव की ओर ले जाएगी: प्रधानमंत्री

वह दिन दूर नहीं जब भारत में डिजाइन किए गए, भारत में निर्मित को दुनिया द्वारा विश्वसनीय कहा जाएगा : प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया–2025' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश–विदेश के सेमीकंडक्टर उद्योग के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उनके सहयोगियों की उपस्थिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न देशों से आए विशिष्ट अतिथियों, स्टार्ट–अप से जुड़े उद्यमियों और देश भर के विभिन्न राज्यों से आए युवा छात्रों का स्वागत किया।

श्री मोदी ने कहा कि वे कल रात ही जापान और चीन की अपनी यात्रा से लौटे हैं और आज आकांक्षाओं और आत्मविश्वास से परिपूर्ण यशोभूमि के इस परिसर में दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। हमेशा से स्वाभाविक और सर्वविदित प्रौद्योगिकी के प्रति अपने जुनून का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपनी जापान यात्रा के दौरान, उन्हें जापानी प्रधानमंत्री श्री शिगेरु इशिबा के साथ टोक्यो इलेक्ट्रॉन कारखाने का दौरा करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि उस कंपनी के सीईओ आज दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के प्रति उनका झुकाव उन्हें बार–बार ऐसे लोगों के बीच लाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दर्शकों के बीच उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

दुनिया भर के 40 से 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों की उपस्थिति को देखते हुए, श्री मोदी ने कहा कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से उपस्थित है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है, दुनिया भारत में विश्वास करती है और दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया में उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वे एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

हाल ही में जारी इस वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार फिर, भारत ने हर आशा, हर अनुमान और हर पूवार्नुमान को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जहां दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक निज स्वार्थ से प्रेरित चिंताओं और चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहीं भारत ने 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। श्री मोदी ने कहा कि यह वृद्धि सभी क्षेत्रों—विनिर्माण, सेवा, कृषि और निर्माण—में दिखाई दे रही है और हर क्षेत्र में उत्साह साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भारत का त्वरित विकास सभी उद्योगों और प्रत्येक नागरिक में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की यह गति भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर कर रही है।

सेमीकंडक्टर की दुनिया में अक्सर कहा जाता है कि 'तेल काला सोना था, लेकिन चिप डिजिटल हीरे हैं', इस कथन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल ने पिछली सदी को आकार दिया और दुनिया का भाग्य तेल के कुओं से तय होता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार–चढ़ाव इस बात पर निर्भर करता था कि इन कुओं से कितना पेट्रोलियम निकाला गया। हालांकि, 21वीं सदी की शक्ति अब छोटी चिप में केंद्रित है। आकार में छोटे होने के बावजूद, ये चिप वैश्विक प्रगति को तेजी से बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार पहले ही 600 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और आने वाले वर्षों में इसके 1 ट्रिलियन डॉलर को पार करने की आशा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस गति से भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए इस 1 ट्रिलियन डॉलर के बाजार में भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी।

भारत की त्वरित गति से प्रगति का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने याद दिलाया कि वर्ष 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुभारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 तक, भारत का पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र स्वीकृत हो चुका है। वर्ष 2024 में कई और संयंत्रों को स्वीकृति मिल गई है और वर्ष 2025 में पांच अतिरिक्त परियोजनाओं को स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं, जिनमें अठारह अरब डॉलर से अधिक यानी 1.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश शामिल है। प्रधानमंत्री ने बल देते कहा कि यह भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दशार्ता है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गति के महत्व पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा कि फाइल से फैक्टरी तक का समय जितना कम होगा और कागजी प्रक्रिया जितनी कम होंगी, वेफर का काम उतनी ही जल्दी शुरू हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इसी दृष्टिकोण से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली लागू की गई है, जिससे केंद्र और राज्य दोनों से सभी स्वीकृतियां एक ही स्थान पर प्राप्त की जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, निवेशकों को लंबी कागजी प्रक्रिया से मुक्ति मिल गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर में प्लग–एंड–प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल के तहत सेमीकंडक्टर पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जो भूमि, बिजली आपूर्ति, बंदरगाह और हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी और कुशल श्रमिकों के एक समूह तक पहुंच जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहनों के साथ जोड़ा जाता है, तो औद्योगिक विकास अवश्यंभावी है। चाहे पीएलआई प्रोत्साहनों के माध्यम से हो या डिजाइन लिंक्ड अनुदानों के माध्यम से, भारत शुरूआत से अंत तक क्षमताएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि निवेश का प्रवाह जारी है। भारत बैकएंड ऑपरेशन से आगे बढ़कर एक पूर्ण–स्टेक सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर के दृष्टिकोण पर विचार व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने दोहराया कि वह दिन दूर नहीं जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया के सबसे बड़े बदलाव की आधारशिला रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा देर से शुरू हुई, लेकिन अब हमें कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री ने बताया कि सीजी पावर के पायलट प्लांट ने 28 अगस्त को, यानी सिर्फ.4–5 दिन पहले, परिचालन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि केनेस का पायलट प्लांट भी जल्द ही शुरू होने वाला है। माइक्रोन और टाटा के परीक्षण चिप पहले से ही उत्पादन में हैं। उन्होंने दोहराया कि इस वर्ष वाणिज्यिक चिप उत्पादन शुरू हो जाएगा, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की तेज प्रगति को दशार्ता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

श्री रजनीश कुमार गोयल ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर का कार्यभार ग्रहण किया

मुंबई,

श्री रजनीश कुमार गोयल भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा (IRSEE) के 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले आप मध्य रेल में मुख्य विद्युत सेवा इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

श्री गोयल अत्यधिक कुशल हैं तथा आपको भारतीय रेल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। भारतीय रेल में ओपन एक्सेस के अग्रदूत के रूप में आपने इसके कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 10 वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। श्री गोयल ने मध्य रेल के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का

महत्वपूर्ण दायित्व संभाला है, जो भारतीय रेल के सबसे बड़े और व्यस्ततम मंडलों में से एक है। मध्य रेल के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आपको प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ कम करने, पटरियों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अग्रणी कार्य करने और पटरियों पर पानी भर जाने के बावजूद उपनगरीय ट्रेन परिचालन को संभव बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवपरिवर्तनों के लिए याद किया जाता है।

आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (ऑनर्स) पूरा किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से आपने "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीन और ड्राइव्स" में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

उधना स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के ठहराव 3 सितंबर, 2025 से बहाल

मुंबई,

उधना स्टेशन का पूर्ण रूप से कायाकल्प हो रहा है और इसे विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। उधना स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर (फेज-क्क) पुनर्विकास का कार्य पूरा हो चुका है। इसी के मद्देनजर उधना स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का ठहराव अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, जिसे 3 सितंबर, 2025 से पुनः बहाल किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उधना स्टेशन पर चल रहे प्लेटफॉर्म संख्या 1 के पुनर्विकास कार्य का दूसरा चरण पूरा हो गया है। इस कार्य हेतु लिये गये ब्लॉक के कारण उधना स्टेशन पर कुछ डाउन ट्रेनों के ठहराव अस्थायी रूप से हटा दिये गये थे, जिन्हें 3 सितंबर, 2025 से बहाल किया जा रहा है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 19033 वलसाड-अहमदाबाद गुजरात क्वीन एक्सप्रेस
2. ट्रेन संख्या 59049 वलसाड-वडोदरा पैसेंजर
3. ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच एक्सप्रेस
4. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस
5. ट्रेन संख्या 69151 वलसाड-सूरत मेमू
6. ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-वटवा एक्सप्रेस
7. ट्रेन संख्या 12921 मुंबई-सूरत फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस
8. ट्रेन संख्या 69141 संजान-सूरत मेमू

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे के संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल के दो रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार जून एवं जुलाई 2025 के दौरान ड्यूटी पर रहते हुए सतर्कता दिखाने और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी (1) श्री रामकेश मीना, पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के 'डीसा' में सीनियर ट्रैकमेंटेनर के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 28 जुलाई 2025 को ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान, उन्होंने अपने नियमित पेट्रोलिंग कार्य के दौरान व्हील से चिंगारी निकलते हुए देखा।

संरक्षा की दृष्टि से बड़ी समस्या है, जो रेल की पटरी पर अधिक घर्षण या ब्रेक लगने से उत्पन्न होता है और अगर समय पर इसका समाधान नहीं किया जाए, तो यह बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। श्री मीना ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना समय गंवाए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। जिससे संरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई की जा सकी।

उनकी यह तत्परता, विवेकशीलता और जिम्मेदारी का परिचायक है, जिसकी बदौलत एक संभावित रेल दुर्घटना को रोका जा सका। श्री मीना का कार्य न केवल सराहनीय है, बल्कि यह अन्य फील्ड कर्मचारियों के लिए एक आदर्श उदाहरण भी है।

(2) श्री अरुण कुमार, पश्चिम रेलवे के कोचिंग डिपो कांकरिया में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 26 जुलाई 2025 को, जब वे एक्सल बॉक्स बेयरिंग की नियमित तापमान निगरानी का कार्य कर रहे थे, तब उन्होंने कोच संख्या 233941 के एक्सल संख्या 03 पर असामान्य तापमान वृद्धि दर्ज की। एक्सल बॉक्स का अत्यधिक गर्म होना या 'हॉट एक्सल' की स्थिति रेल परिचालन के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकती है। श्री अरुण कुमार ने इस संभावित खतरे को भांपते हुए बिना किसी देरी के ट्रेन के प्रभारी को इसकी जानकारी दी। उनकी त्वरित सूचना पर आवश्यक सावधानियाँ बरती गईं और गाड़ी को सुरक्षित रूप से परिचालित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए। वापसी यात्रा के दौरान भी उन्होंने लगातार उस कोच के तापमान की निगरानी की। उनकी निरंतर निगरानी और सजगता ने एक्सल को अधिक गर्म होने से रोका और एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया।

महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने दोनों कर्मचारियों की सतर्कता और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि"इन कर्मचारियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन न केवल ईमानदारी और लगन से किया, बल्कि रेलवे संरक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का भी परिचय दिया। ब्रेक बाइंडिंग, हॉट एक्सल जैसे संभावित जोखिमों को समय रहते पहचानकर उन्होंने हजारों यात्रियों की जान-माल की रक्षा सुनिश्चित की है। यह समर्पण और सजगता समस्त रेलवे कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा है।"

पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्मचारियों पर गर्व है, जो विषम परिस्थितियों में भी धैर्य और समझदारी के साथ कार्य करते हैं और रेल संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना है, बल्कि यह पश्चिम रेलवे की उस संस्कृति को भी प्रतिबिंबित करता है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

पश्चिम रेलवे वटवा और रक्सौल के बीच चलाएगी त्योहार स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 02 सितंबर, 2025

ट्रेन संख्या 05560/05559 उधना-रक्सौल के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से वटवा और रक्सौल के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, उधना एवं रक्सौल के बीच विशेष किराए पर चलने वाली इस स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया आगे बढ़ाया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 05562/05561 वटवा - रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल [32 फेरे]

ट्रेन संख्या 05562 वटवा - रक्सौल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 23:30 बजे वटवा से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन शुक्रवार को 16:00 बजे रक्सौल पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05561

रक्सौल - वटवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को रक्सौल से 11:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:00 बजे वटवा पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 सितंबर से 30 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और सीतामढी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 05560/05559 उधना-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल के फेरे विस्तारित [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल को 05 अक्टूबर से 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल को 04 अक्टूबर से 27 दिसंबर, 2025 तक मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 05562 की बुकिंग एवं ट्रेन संख्या 05560 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 03 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस-अजमेर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और अजमेर के बीच विशेष किराये पर चल रही स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर (साप्ताहिक) स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 09:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 08:50 बजे अजमेर पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 06 अक्टूबर से 1 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन प्रत्येक रविवार को अजमेर से 06:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 04:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 05 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, विक्रमगढ़ आलोट, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास के डिब्बे हैं।

ट्रेन संख्या 09622 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 04 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अयोध्या में सीएम योगीः बिमलेंद्र मोहन को देंगे श्रद्धांजलि, पहले हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन करेंगे

अयोध्या (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एकदिवसीय दौरे पर अयोध्या जाएंगे। इस दौरान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के त्रयोदशाह संस्कार के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

अयोध्या राज परिवार के दिवंगत मुखिया और श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के त्रयोदशाह संस्कार के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या पहुंचेंगे। इस दौरान सीएम पहले हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन करेंगे। इसके बाद राज सदन जाएंगे।

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सीएम योगी का हेलीकाप्टर बुधवार शाम छह बजे रामकथा पार्क के हेलीपैड पर उतरेगा। यहां से मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से पहले हनुमानगढ़ी जाएंगे। हनुमंत लला को श्रद्धा निवेदित करने के बाद श्रीराम जन्मभूमि पहुंचेंगे। यहां पर रामलला और राजा राम के दरबार में मत्था टेकने के बाद राज सदन पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री की ओर से राजसदन

में अयोध्या राज परिवार के दिवंगत मुखिया को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की जाएगी। इस दौरान प्रदेश और केंद्र सरकार के कुछ मंत्रियों के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और कला जगत की नामचीन हस्तियों के भी आने की संभावना है। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी आ सकते हैं। इसके अलावा राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत अन्य पदाधिकारी व ट्रस्टी मौजूद रहेंगे।

सीएम समेत कई अन्य विशिष्टजनों के आने के चलते डीएम और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर की देखरेख में प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने मंगलवार को राजसदन का भ्रमण कर सुरक्षा और पार्किंग के इंतजामों का खाका तैयार किया। एडीएम सिटी योगानंद पांडेय, नगर मजिस्ट्रेट राजेश मिश्र व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी समेत कई अन्य अफसर देर रात तक राजसदन में मौजूद रहकर तैयारियों को अंतिम रूप देते रहे।

गृहमंत्री अमित शाह ने भेजी शोक संवेदना

अयोध्या राज परिवार के दिवंगत मुखिया और श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के निधन पर गृह मंत्री अमित शाह की ओर से शोक संवेदना भेजी गई है। गृह मंत्री ने पत्र के माध्यम से बिमलेंद्र मोहन के निधन को अपूर्णनीय क्षति बताया है।

4 से 6 सितंबर तक भारत मंडपम में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 का आयोजन, सीईओ गोलमेज बैठकें, फायरसाइड चैट और राज्य-केंद्रित सत्र शामिल होंगे

भारत की मेडटेक क्षेत्र की ताकत और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए 4 से 6 सितंबर तक भारत मंडपम में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 का आयोजन

मेडटेक एक्सपो 2025 में एमएसएमई, स्टार्ट-अप, अनुसंधान मंडप शामिल, 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ सरकारी पहल

मेडटेक विनिर्माण और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री, उद्योग जगत के दिग्गज और वैश्विक विशेषज्ञ इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 में भाग लेंगे

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, चिकित्सा उपकरण निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएमडी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से औषधि विभाग, भारत स्वास्थ्य 2025 पहल के एक भाग के रूप में, 4 से 6 सितंबर 2025 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में दूसरा इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 आयोजित करेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल, वाणिज्य विभाग के अपर सचिव श्री नितिन कुमार यादव, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के अध्यक्ष श्री पी. कृष्णमूर्ति, औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी और औषधि विभाग के संयुक्त सचिव श्री आर. पी. सिंह इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल होंगे।

भारत मेडटेक एक्सपो चिकित्सा प्रौद्योगिकी और उपकरण क्षेत्र में भारत की क्षमताओं और विकास को उजागर करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है। 2025 का आयोजन एक बार फिर नीति निमार्ताओं, वैश्विक व्यापार जगत के दिग्गजों, नवप्रवर्तकों, निवेशकों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाएगा, जिससे भारत की स्थिति समाधान केन्द्रित, किंतु किफायती, मेडटेक समाधानों के केंद्र के रूप में मजबूत होगी।

'भारतः वैश्विक मेडटेक विनिर्माण केंद्र, समाधान आधारित इंजीनियरिंग किंतु किफायती' विषय पर आधारित तीन दिवसीय एक्सपो में एमएसएमई, स्टार्ट-अप, अनुसंधान संस्थान, भविष्य के नवाचार मंडप, राज्य प्रदर्शनियां और सरकारी पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक विस्तृत प्रदर्शनी होगी।

इस कॉन्क्लेव में विषयगत सम्मेलन, सीईओ गोलमेज बैठकें, फायरसाइड चैट और राज्य-केंद्रित सत्र शामिल होंगे, जिनमें केंद्रीय और राज्यों के मंत्री भी भाग लेंगे। अनुभव क्षेत्र और नेटवर्किंग के अवसर जैसे बी2बी बैठकें, रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठकें और नियामक ओपन हाउस, मेड-टेक मूल्य श्रृंखला में सहयोग को और भी अधिक बढ़ावा देंगे।

अन्य प्रमुख वक्ताओं में उत्तर प्रदेश के वाईईआईडीए, मेडिकल डिवाइस पार्क के सीईओ श्री राकेश कुमार सिंह, औषधि विभाग के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्री अवधेश चौधरी, उप औषधि नियंत्रक (भारत), सीडीएससीओ आईवीडी प्रभाग श्री प्रमोद मेश्राम आदि शामिल होंगे।

आगामी आयोजन के बारे में, ईपीसीएमडी के कार्यकारी निदेशक श्री प्रवीण कुमार मित्तल ने कहा, "भारत का चिकित्सा उपकरण क्षेत्र लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बाजार आकार तक बढ़ गया है और 2030 तक इसके 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। 800 से अधिक मेडटेक स्टार्ट-अप, मजबूत अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं और तेजी से बढ़ते विनिर्माण आधार के साथ, हम भारत को न केवल एक उपभोक्ता बाजार के रूप में, बल्कि एक वैश्विक नवाचार और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 इस विकास गाथा को प्रदर्शित करने और ऐसे सहयोगों को सक्षम करने में उत्प्रेरक का काम करेगा जो भारत और दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में बदलाव ला सकते हैं।"

इस आयोजन में 30 से अधिक देशों के 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे, जो वैश्विक हितधारकों को भारत के तेजी से बढ़ते मेडटेक इको-सिस्टम में साझेदारी और निवेश की संभावनाओं को तलाशने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

एक्सपो में विशेष मंडपों में 350 से अधिक प्रदर्शक एक साथ आएंगे और सम्मेलन सत्रों का आयोजन किया जाएगा, ताकि नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके और वैश्विक मेडटेक क्षेत्र में भारत के विजन 2047 को आगे बढ़ाया जा सके।

इंडिया मेडटेक एक्सपो की मुख्य विशेषताएंः

भारत की सबसे बड़ी चिकित्सा उपकरण प्रदर्शनी जिसमें 500 से अधिक कंपनियां अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करेंगी।

वैश्विक और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने के लिए संघ और राज्य एजेंसियों द्वारा पांच-वर्षीय मांग प्रस्तुतियां।

भारतीय और वैश्विक कंपनियों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, अनुसंधान संस्थानों और सरकारी मंडपों की मजबूत भागीदारी।

आसियान, अफ्रीका, सीआईएस, मध्य पूर्व और ओशिनिया के 30 से अधिक देशों से 150 से अधिक प्रतिनिधि।

निमार्ताओं, नियामक निकायों, राज्य सरकारों और मंत्रालयों सहित 350 से अधिक प्रदर्शक।

आईआईटी, आईआईएससी, एम्स, आईसीएमआर, नीति आयोग और विश्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों और थिंक टैंकों के विशेषज्ञ।

छह विशिष्ट मंडपः एमएसएमई, भविष्य, अनुसंधान एवं विकास, सरकार, राज्य और स्टार्ट-अप।

पांच राज्य विनिर्माण और निवेश के अवसर प्रदर्शित कर रहे हैं।

रसायन निर्यातकों के लिए बड़ी राहतः निर्यात देयता अवधि को वर्तमान 6 महीने से बढ़ाकर 18 महीने की गई

सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण के तहत डीसीपीसी द्वारा अधिसूचित क्यूसीओ उत्पादों के लिए निर्यात देयता अवधि को वर्तमान 6 महीने से बढ़ाकर 18 महीने कर दिया है

(जीएनएस)।

रसायन उद्योग ने रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) के अनुरोध पर विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा दिनांक 28.05.2025 की अधिसूचना संख्या 28 के तहत जारी एक महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत किया है। इस निर्णय के अंतर्गत, उन उत्पादों के लिए अग्रिम प्राधिकरण के अंतर्गत निर्यात दायित्व की अवधि बढ़ा दी गई है जिन्हें डीसीपीसी द्वारा अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। निर्यात दायित्व की अवधि अब 6 महीने से बढ़ाकर 18 महीने कर दी गई है, जिससे उद्योग को काफी सुविधा और समर्थन प्राप्त होगा।

यह पहल वस्त्र मंत्रालय जैसे अन्य मंत्रालयों के अंतर्गत अधिसूचित क्यूसीओ के लिए किए गए इसी तरह के समायोजन के बाद आई है, जहाँ समय सीमा को बढ़ाकर 18 महीने कर दिया गया था। यह पहल पूरे भारत में रसायनों और पेट्रोकेमिकल्स के निर्यातकों को महत्वपूर्ण सहायता और मजबूती प्रदान करती है। यह कदम व्यापार को सुगम बनाने और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत, आयातक निर्यात उत्पादन के लिए शुल्क-मुक्त कच्चा माल आयात कर सकते हैं और ये कच्चे माल गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के अधीन नहीं होते, जिससे निर्यात गतिविधियों की निरंतरता सुनिश्चित होती है। इनमें से बड़ी संख्या में कच्चे माल रासायनिक क्षेत्र को दिए गए हैं, जो इस नीतिगत बदलाव के महत्व को दशार्ता है।

भारत सरकार एक विशिष्ट रणनीति के माध्यम से रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस क्षेत्र का निर्यात 46.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रभावशाली स्तर पर पहुँच गया, जो देश के कुल निर्यात मूल्य का 10.6 प्रतिशत है, जिससे इसकी महत्वपूर्ण भूमिका और भी पुष्ट होती है।

यह कदम कच्चे माल की लागत से उत्पन्न वित्तीय दबाव को कम करने, कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और भारतीय रासायनिक उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी स्थिति को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग और डीजीएफटी की पहल एक दूरदर्शी और रणनीतिक दृष्टिकोण को दशार्ती है।

भारती किसान यूनियन भानू के तहसील अध्यक्ष दद्दन सिंह के नेतृत्व में जिला अधिकारी को सोपा गया ज्ञापन

जनपद बाराबंकी

फतेहपुर भारतीय किसान यूनियन भानू के तहसील अध्यक्ष दद्दन सिंह के नेतृत्व में एक ज्ञापन जिला अधिकारी महोदय बाराबंकी के नाम द्वारा उपजिलाधिकारी महोदय तहसील फतेहपुर को दिया गया,

जिसमे मुख्य मांग यह है कि तहसील नवाबगंज की रामस्वरुप यूनिवर्सिटी में जो विधि प्रकोष्ठ के छात्रों के ऊपर पुलिस व रामस्वरुप यूनिवर्सिटी की मिलीभगत से लाठीचार्ज की गई भारतीय किसान यूनियन भानू इसकी घोर निंदा करता है,

संगठन की मांग है अगर रामस्वरुप यूनिवर्सिटी में एल एल बी का पाठ्यक्रम नही है तो छात्रों का दाखिला क्यों लिया गया,

इसका मतलब रामस्वरुप यूनिवर्सिटी विधि प्रकोष्ठ के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है,

जब छात्रों ने व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने शांति पूर्वक इसका विरोध किया गया तो उनपर लाठीचार्ज किसके कहने पर की गई,

छात्रों को अपराधियों की तरह पुलिस द्वारा दौड़ा दौड़ा कर क्यों पीटा गया,

क्या भारत देश मे शांति पूर्ण अपना विरोध प्रकट करना अपराध है,

बाराबंकी पुलिस ने इससे पहले

भी तहसील रामनगर में यूरिया मांग रहे किसानों के ऊपर भी लाठीचार्ज की गई ,

वो कौन पुलिस वाले हैं जो समाज मे अराजकता फैलाने का काम कर रहे है,

भारतीय किसान यूनियन भानू यह भी मांग करता है कि अगर एक सप्ताह के अंदर पीड़ित छात्रों को न्याय नही मिला तो व छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली रामस्वरुप यूनिवर्सिटी पर व जो पुलिस वाले बर्बरता के साथ छात्रों पर लाठीचार्ज किया है उनपर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए नही तो भारतीय किसान यूनियन भानू पूरे जनपद में उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी,

इस अवसर पर,

ब्लाक अध्यक्ष हंसराज वर्मा,किसान नेता अर्जुन विश्कर्मा, महामंत्री प्रदीप वर्मा, करुणा शंकर वर्मा,शुजल चौहान,जितेंद्र वर्मा,रमेश सिंह, विनय रावत, उदय सिंह , लाल जी गौतम दर्जनों किसान मौजूद रहे,

बाढ़ का पानी भर जाने से बंद हुआ आयुष्मान आरोग्य मंदिर , मरीजों की बढ़ी परेशानी

निघासन – खीरी । स्थानीय विकास क्षेत्र के ग्राम लुधौरी के संविलयन विद्यालय में बाढ़ का पानी भर जाने से गांव का मिनी अस्पताल भी अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गया जिसकी वजह से संक्रामक बीमारियों से जूझ रहे ग्रामीणों को घर बैठे इलाज मिलने की व्यवस्था पर ग्रहण लग गया है ।

गौरतलब है कि सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में छोटी मोटी बीमारी के मुफ्त इलाज के लिए स्थानीय विकास क्षेत्र अंतर्गत संविलयन विद्यालय लुधौरी के खेल परिसर में मिनी अस्पताल खोला गया है जिसमें संविदा पर नियुक्त एक स्वास्थ्य कार्यकत्री नियमित रूप से आधार के आधार पर मरीजों को मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराती है , लेकिन शारदा नदी का जलस्तर ज्यादा बढ़

जाने से बाढ़ का पानी विद्यालय में भी भर गया है जिसकी वजह से चिकित्सा कर्मी ने आना जाना बंद कर दिया है हालांकि मरीज पानी उतरकर आरोग्य केंद्र तक पहुंच जाते हैं लेकिन कोई अस्पताल का ताला बंद होने की वजह से निराश होकर लौट जाते हैं । वास्तव में बाढ़ की वजह से ग्रामीणों का जीवन अनेक संकटों से घिर गया है ।

जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प स्वामी अपने-अपने पेट्रोल पम्प प्रांगण में बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगाकर वाहन चालकों को करें जागरूक

परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी गोण्डा के निदेर्शानुसार जनपद गोण्डा में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु एक विशेष अभियान "नो हेलमेट, नो पेट्रोल" प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प स्वामियों को स्पष्ट निर्देशित किया गया है कि यदि कोई भी दो पहिया वाहन चालक या उसका सहयात्री बिना हेलमेट के पेट्रोल पम्प पर आता है, तो ऐसे वाहनों में किसी भी स्थिति में ईंधन की आपूर्ति न की जाए। शासन द्वारा यह भी निर्देश प्राप्त हुआ है कि जनपद 01 सितंबर, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक नो हेलमेट न पेट्रोल अभियान चलाया जाए। ताकि लोगों में जागरूकता फैले। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया है कि जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प स्वामी अपने-अपने पेट्रोल पम्प प्रांगण में बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगाकर इसके संबंध में लोगों को जागरूक करें। यह निर्णय प्रदेश में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं की संख्या एवं दो पहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया है। हेलमेट न केवल वाहन चालक की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि गंभीर चोट से भी बचाव करता है। अतः यह अनिवार्य है कि दो पहिया वाहन चालक एवं पीछे बैठा सहयात्री दोनों हेलमेट धारण करें।

जिलाधिकारी गोण्डा ने समस्त पेट्रोल पम्प स्वामियों को निर्देशित किया है कि इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही, परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा समय-समय पर पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया जाएगा, तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित पेट्रोल पम्प के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि वे स्वयं की सुरक्षा हेतु सदैव हेलमेट का प्रयोग करें एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यह केवल एक नियम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

परिवहन विभाग गोंडा द्वारा जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प स्वामियों को इस अभियान के संबंध में कड़ाई से पालन करने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है।

"आपकी सुरक्षा, आपका अधिकार है — हेलमेट पहनिए, जीवन बचाइए।"

मनरेगा योजना के विकास कार्यों में जमकर हो रही लूट

सकरन/सीतापुर

विकासखंड सकरन अंतर्गत इस वक्त जमकर हो रहा मनरेगा भ्रष्टाचर

पूरे दिन हुई बारिश फिर भी हुआ एमएम एस

सकरन में फर्जी श्रमिकों की की हाजिरी लगाई जाती है जब मौके का निरीक्षण किया जाता है तो एक भी मजदूर कार्य करते हुए नहीं दिखाई देते और ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान तथा रोजगार सेवक मिलकर लगातार दे रहे भ्रष्टाचार को अंजाम आपको बता दे की योगी सरकार गरीबों के लिए वरदान स्वरुप मनरेगा योजना को संचालित किया जिससे गांव के ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार दिया जा सके और उनके बच्चों का भरण पोषण हो सके परंतु जमीनी स्तर पर ऐसा कुछ नहीं है कार्य पूर्ण होने के महीना बाद तक मास्टर रोल पर

लगातार पुराने फोटो अपलोड करके मध्य रात्रि में फर्जी श्रमिकों की मास्टर रोल पर फर्जी हाजिरी लगाई जाती है जिसका पैसा आपस में बंदर बांट करते हैं एक तरफ योगी सरकार भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने का काम कर रही है परंतु यहां के भ्रष्टाचारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते सकरन की ग्राम पंचायतों में 1सितम्बर को भी फर्जी एम एम एस बेलवा ग्राम पंचायत में 28 लेबर धानावा ग्राम पंचायत में 30 लेबर ग्राम पंचायत गाठिया कलां में 40 ग्राम पंचायत जालिमपुर में 60 लेबर खानपुर ग्राम पंचायत में 23 लेबर कोन्सर में 23 लेबर कुचलैया में 19 लेबर ग्राम पंचायत लश्करपुर में 86 लखुवाबेहड में 58 मडोर में 17 मजलिसपुर में 12 पखानियापुर 25

प्यारापुर में 65 पिपरा खुर्द में 32 रत्नापुर में 54 शाहपुर में 81 सेमरा कला में 18 सरैया कला में 47 उमरा कला में 45 लेबर चलायें गये

और आए दिन किसी नए भ्रष्टाचार को अंजाम देते रहते हैं आखिर इन पर कार्रवाई क्यों नहीं जब इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात की जाती है तो कार्रवाई का आश्वासन मिलता है परंतु जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती है इससे यह प्रतीत होता है कि मनरेगा भ्रष्टाचार में लगभग संबंधित अधिकारी व कर्मचारी भी सनलिप्त है

इस सन्दर्भ में जब सकरन मनरेगा एपिओ से बात की गई उन्होंने ने बताया जांच की जायेगी कई मास्टर रोल पर यादि बार बार एक ही फोटो अपलोड की जा रही है तो उस पर कार्रवाई की जायेगी

भद्रकाली आश्रम में श्री विष्णु फाउण्डेशन द्वारा किया गया हनुमान जी का श्रृंगार एवं भंडारा

भीतरगांव। बुढ़वा मंगल पर मां भद्रकाली आश्रम बिरहर में स्थित दक्षिणेश्वर हनुमान जी का श्रृंगार कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दूर दूर से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

श्री विष्णु फाउंडेशन के अध्यक्ष विष्णु स्वरूप अवस्थी ने बताया कि आज बाबा का श्रृंगार हुआ और सुंदरकांड पाठ तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष सत्यम अवस्थी ने बताया कि दक्षिणमुखी हनुमान जी भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। फाउंडेशन के उपाध्यक्ष ने बताया कि भाद्रपद मास में चल रहे 15 दिवसीय का आयोजन भी आश्रम में चल रहा है जिस अवश्य पर एक दिन पूर्व जिला पंचायत सदस्य अतर सिंह द्वारा महोबा से बुलाई गई टीम के द्वारा आल्हा गायन भी किया गया। इस अवसर पर शिवेंद्र फौजी, दुर्गा नारायण, शिवेंद्र मिश्रा, गोलू तिवारी, परमेश तिवारी, उत्कर्ष तिवारी, अश्विनी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

हैंडपंप रिबोर हैंडपम्प मरम्मत हयूम पाइप आदि के नाम पर निकल गया पैसा जमीनी हकीकत शून्य

एक तरफ यूपी सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है और दूसरी तरफ कुछ जिम्मेदार अधिकारी विकास के दावों पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं मामला हाइलाइट होने के बाद भी नहीं हो रही उच्च स्तरीय जांच

इस भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के पीछे किसका हाथ है जो बगैर कार्य करें समूची रकम हड़प लेते हैं ग्राम पंचायत में आये धन को फर्जी जी तरीके से काटकर अपनी जेबों का वजन बढ़ाते हैं बात हो रही विकासखंड सकरन के ग्राम पंचायत लखुवाबेहड की जहां प्रधान आये दिन अपनी राजनीतिक पकड़ के चलते फर्जी पैसा काटते रहते हैं प्रधान जी विकास कार्यों में दिखावे भर का काम कराकर फर्जी पैसा काटवा लेते हैं

ग्राम लखुवाबेहड में हैंडपंप रिबोर हैंडपम्प मरम्मत 12000रु की धनराशि 21/8/2025 को निकाल ली गई कंपोजिट विद्यालय में कायाकल्प के नाम पर 34510 रुपए की धनराशि निकाल ली गई जबकि कंपोजिट विद्यालय में कोई कार्य नहीं कराएगा ब्लीचिंग पाउडर के नाम पर 25500 रु की धनराशि निकाल ली गई 18/7/2025 को निकाल ली गई

हैंडपंप रिबोर के नाम 84600 रुपए की धनराशि 21/5/2025को निकाल ली गई जबकि ग्राम पंचायत में काफी नल खराब पड़े हैं नन्हा के घर के पास बंगला पर का हैंडपंप खराब पड़ा है लल्लू के पास का हैंडपंप खराब पड़ा है उच्च स्तरीय जांच हो

तो सब बाहर आ जाएगा हायूम पाइप के नाम पर 45370 रु के धनराशि 9/10/2024 को निकाल ली गई जबकि ग्राम पंचायत में कोई हायूम पाइप नहीं पड़ी है इस सन्दर्भ में जब जेई सुभाष वर्मा को फोन किया गया तो उन्होंने कहा मामला संज्ञान में आया जांच कर उचित कार्यवाही की जायेगी

जैन धर्मावलंबियों के प्रमुख पर्व पर्युषण के पांचवें दिन सोमवार को जैन मंदिरों में 'उत्तम सत्य धर्म' की पूजा-अर्चना की गयी

लखनऊ।जैन धर्मावलंबियों के प्रमुख पर्व पर्युषण के पांचवें दिन सोमवार को जैन मंदिरों में उत्तम सत्य धर्म की पूजा-अर्चना की गयी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और धार्मिक अनुष्ठानों में सम्मिलित होकर आत्मशुद्धि का संकल्प लिया।

आपको बता दें कि,आशियाना स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में श्री दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुआ।जिसमें प्रवचन माला के दौरान पंडित उमेश जैन शास्त्री ने उत्तम सत्य धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्य का वास्तविक अर्थ केवल सच बोलना नहीं, बल्कि अप्रिय, कठोर, निंदापूर्ण और कटु वचनों से बचना भी है। उन्होंने कहा उत्तम सत्य धर्म वह मार्ग है जो व्यक्ति को सत्य, न्याय और नैतिकता की दिशा में अग्रसर करता है। यह न केवल बाहरी आचरण की शुद्धता पर बल देता है, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता को भी अनिवार्य मानता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में

छल, कपट और स्वार्थ बढ़ रहे हैं, ऐसे में उत्तम सत्य धर्म का पालन ही मनुष्य को सच्चे अर्थों में धर्मनिष्ठ और मानवतावादी बना सकता है। सत्य को जीवन में आत्मसात करना ही उत्तम आचरण का प्रतीक है, जो अंततः समाज में शांति, समरसता और विश्वास की स्थापना करता है।

इस मौके पर समिति के मंत्री अजय जैन, उपाध्यक्ष अखिलेश जैन, कोषाध्यक्ष शरद जैन, संयुक्त मंत्री अंकित जैन, संजीव जैन, बृजेश जैन (बंटी),आशीष जैन के साथ ही महिला मंडल की उपाध्यक्ष डॉ० सविता जैन, स्वीटी जैन, सोनी जैन, अनीता जैन, राखी जैन, रिमझिम जैन, मीनू जैन, सरिता जैन, संगीता जैन आदि बड़ी संख्या में साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

वारंटी अभियुक्त को पकड़ने गए दरोगा पर हमला, वर्दी फटी - तीसरी बार हमले का शिकार बने चौकी प्रभारी प्रिंस बालियां

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में बीते सोमवार रात पुलिस टीम पर हमला हो गया। जानकारी के मुताबिक चौकी प्रभारी प्रिंस बालियां रात करीब नौ बजे एनपीडब्ल्यू वारंटी विशाल भुर्जी की गिरफ्तारी के लिए अकेले ही गांव पहुंचे थे। दरोगा को देखते ही वारंटी दरवाजे से भाग निकला। पीछा करने पर दरोगा ने उसे लगभग पचास मीटर दूर दबोच लिया।

इस दौरान दरोगा और वारंटी के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि दरोगा ने वारंटी को पीटना शुरू किया तो उसकी बहन प्रीति मौके पर पहुंच गई। उसने बीच-बचाव करते हुए दरोगा को रोकने की कोशिश की, लेकिन चौकी प्रभारी ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। प्रीति की चीख सुनकर उसके पिता छोटा और मां सबिता भी वहां आ पहुंचे। बेटी को पिटता देख गुस्साए माता-पिता ने दरोगा प्रिंस बालियां की जमकर पिटाई कर दी।

मारपीट में दरोगा की चेन गिर गई और प्रीति की गले की माला भी टूटकर वहीं गिर गई। इसी बीच चौकी प्रभारी ने मोबाइल से अपने साथी दरोगा रामसजीवन सरोज को सूचना दी। वह मौके पर पहुंचे और गिरी हुई चेन बरामद की, जबकि आरोपित परिवार घर में ताला बंद कर फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक पूरा परिवार गायब हो चुका था। हमले में दरोगा प्रिंस बालियां की वर्दी फट गई थी और उन्हें चोटें भी आई थीं। हालात ऐसे रहे कि कपड़े बदलने के लिए उन्हें गांव के ही एक निवासी रामनरेश पासी से लोअर और शर्ट लेकर चौकी लौटना पड़ा।

ग्रामीणों के मुताबिक, वारंटी विशाल भुर्जी नशे का आदी है और सोमवार रात वह पड़ोसी भुल्लन को गालियां दे रहा था। इसी बीच प्रमोद नामक युवक ने घटना की सूचना दरोगा रामसजीवन सरोज को दी थी, लेकिन उन्होंने रात में कार्रवाई करने से मना कर दिया और सुबह आने की बात कही। बाद में प्रिंस बालियां को फोन मिला और वे अकेले ही कार्रवाई करने पहुंच गए।

गौरतलब है कि चौकी प्रभारी प्रिंस बालियां पर इस तरह का हमला पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले एक बार चौकी परिसर में और दूसरी बार धनौरा में उन पर हमला हो चुका है। यह तीसरी बार है जब वे आरोपितों के निशाने पर आए हैं।

माल थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया कि वारंटी विशाल भुर्जी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। वहीं पुलिस सूत्रों के अनुसार, चौकी प्रभारी का ट्रांसफर साइबर क्राइम विंग में हो चुका है, बावजूद वह सैदापुर चौकी पर ही तैनात है और एक के बाद एक हमले उन्हीं पर हो रहे हैं।

पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध मौत के मामले में राष्ट्रीय लोधी महासभा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरदोई । कोतवाली शाहाबाद जिला हरदोई की पुलिस हिरासत में एक युवक की संदिग्ध मौत की निष्पक्ष जांच और मुआवजा दिलाने के संबंध में राष्ट्रीय लोधी महासभा द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजा गया है ।

मृतक के पिता रामराज राजपूत पुत्र गंगाशरण निवासी अहमद नगर मजरा वासित नगर , थाना शाहाबाद जिला हरदोई द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार गत 27 अगस्त को 6 बजे कोतवाली शाहाबाद से 112 नंबर गाड़ी से पुलिस वाले उसके घर पहुंचे और रामराज राजपूत और रवि राजपूत 20 वर्ष को पकड़कर कोतवाली में बंद कर दिया , गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर बताया कि तुम्हारे बेटे ने गांव की एक लड़की को भगा ले गया उसी की जांच चल रही है । इसी बीच दिनांक 31 अगस्त की रात करीब 8:30 बजे कोतवाली से एक सिपाही का फोन आया कि तुम्हारा बेटा बीमार है , सूचना मिलते पर प्रार्थी तुरंत साढ़े नौ बजे कोतवाली पहुंचे लेकिन वहां पर पुत्र रवि राजपूत दिखाई नहीं दिया । एक दरोगा ने बताया कि तुम्हारे बेटे ने आत्महत्या कर ली है । प्रार्थी के मुताबिक उसके बेटे की थाने में पीट पीट कर हत्या की गई है । राष्ट्रीय लोधी महासभा ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर आरोपी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने एवं पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है ।